

सम्पादकीय

कांग्रेस की सौदेबाजी खत्म

लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के लिये उत्तर झुकूल नहीं रहे जिन्होंने के लिये वह आश्वस्त थे, पर हरियाणा चुनाव के नतीजे अनेक पर उसकी आवाज पुणे अद्वाज में आ गई। कांग्रेस का अद्वाज हताश में बदल गया। विपक्षी नेताओं की आवाज भी कांग्रेस को लेकर बदल रही। वे कांग्रेस के खिलाफ़ इतने मुख्य हो गए कि कांग्रेस को सुधारात्मक कदम उठाने पड़ रहे हैं। उसकी सौदेबाजी की क्षमता घट गयी। अनेकों दो पैदल यात्राओं से राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने जो छवि बनाई थी और जिसका असर भी लोकसभा चुनाव में देखा गया कि भाजपा अनेकों अकेले दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं ला सकी। पर हरियाणा के नतीजे का सीधा असर जो कांग्रेस पर पड़ रहा है उसकी प्रभाव यूपी में होने वाले चुनाव में देखा जा सकता है। नीं सीढ़ी पर होने वाले चुनाव के लिये सपा एक तरफ उमीदवार घोषित करने में लगी हुई है। पर्दे को पैकों कांग्रेस के खिलाफ़ इतने मुख्य हो गए कि कांग्रेस को सुधारात्मक बदल रही। लोकतन्त्र और देकर एकान्मय कर दिया कि चुनाव में कांग्रेस उमीदवार बचाने का हवाला देकर एकान्मय कर दिया कि चुनाव में कांग्रेस उमीदवार तो उत्तरीयों। कांग्रेस ने कहा सभी सीढ़ी पर सपा को जिताने का प्रयास करेगी।

महाराष्ट्र विकास अधारी के तीनों दलों में कांग्रेस अपने के सबसे बड़ी पार्टी बता रही थी। व्योकि पिछले लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों में जीतने पाठीयों के अपेक्षा उनके उमीदवारों की संख्या सबसे ज्यादा थी। इसलिये वह सबसे ज्यादा सीढ़ी पार्टी गया रही थी। शुरुआती दौर में उसे उसके माम के अनुसार सीढ़ी देने का मानवीय पूरी रहा था पर शरद पवार की अगुवाई में हुई बैठक में मानवीय बदल दिया। जो लाइसेंस बैठक में बना रहा अनुसार कांग्रेस, शिवसेना, (यूपीटी) और एनसीपी (शरद) दोनों दो 85-85 सीढ़ी पर लगाना तय किया। निश्चिन्न रूप पर कांग्रेस इससे मानने के लिये मजबूर है। कांग्रेस के घटे कद में इसके घटक दलों का तात्काल लाभ भले दिख रहा हो पर आगे चलकर वह कमजोर हो जायेगा। लोकसभा चुनाव में विपक्ष का बहेत्र प्रदर्शन कांग्रेस के बल पर था। गठबन्धन को जोड़े रखने के लिये एक मजबूर नेतृत्व जरूरी है जो गठबन्धन के बाधे रखने साथ ही मजबूरी भी दे। विपक्ष को अपर सार्थक विकल्प में बने रहना है तो कांग्रेस को इस कमजोरी से उत्तराना होगा। पर अपरी तक सूधे मुकाबले में भागीदारी से उत्तराना होगा। कांग्रेस नेतृत्व में खड़े, सौनिया का समीकरण कुछ ठीक नहीं दिख रहा है।

अश्लीलता क्या है?

कलात्मक कलियों में अश्लीलता का सम्पूर्ण आकलन करने की कोशिश तजा तरीन मामला बंदू उच्च नहीं की गई। राग द्वेष से परे रहका न्यायालय में आया। मामला गंभीर था दुसैन भी अपने संघर्षी सलमान रखदी व्योकि अधिकृत द्रव्य शरीर के शिल्प हैं। फारिस्म डीसूजा और अकबर पदमसी। दोनों की नन्हीं शिल्पकारी अधिकरियों ने जब लिए तथा। मसला हार्फ़ोर्ट में उत्तर। जैकेट का कामुदी था। न्यायालय की गुणवत्ता की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है। रस्ते को कूपान और पैगंबर का मर्यादिल उड़ाने में नैरांपिक लुप्त मिलता है। किंतु बेचने का सरल तरीका है। हुड़ैन को केवल हिन्दू देवी देवताओं की नन्हीं तसीह बनाने की व्यापारी हो जाती है। एक दूसरी दिन वार्षिक लुप्त किया गया है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं करते? वे खामोश रहे। तो क्या इस्लामी कट्टरप्रथियों का खौफ़ था? मौन के मध्य रहे। इसके बाद व्यापारी हो जाती है।



कै. विक्रम राव

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। और लाभान्वित पूरी रही। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अर्थात् अश्लीलता को खोला किया है। यह अपरिवर्तनीय है। तो क्या हुड़ैन को भी उत्तर का विचारकर भी रहा है? अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

निम्रल राजी

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

निम्रल राजी

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे हैं। योगा आपके बाहर में भी उत्तरा है। हूमारे बेदूपहार की ज़िल्हा जाहांगीर ने उत्तर किया है। अब उत्तरान्वर्ती रहा है। तो क्या उत्तरीयों को जीवन की अपरीक्षा के लिये व्यापक लुप्त किया गया है।

प्रश्न किर उठा है कि कला की अधिकृतिकी की सांख्यिकी क्या है? प्रतिव्यंग की मर्यादा कहा तक उचित है? प्रमुखता से विचारणीय बिंदू यह है कि अश्लीलता की परिभाषा करने से क्या सम्बन्धीय प्रसाद है? वहीं जो फिरत है। इस तरह वे चर्चा में आते रहे। एक टंकर्व्य में सम्पादक ने दिसंबर 2006 ने हुसैन से पूछा कि आप पैगंबर को भी उसी तरह चित्रित कर्यों नहीं हो सकते हैं तो भी चाहते हैं तो व्यापारी को दावत दे रहे ह

सूर्य षष्ठी व्रत आज, महिलाएं रहेंगी निर्जला व्रत

महिलाओं ने नहाय-रवाय के बाद रखा खरना व्रत, संतान प्राप्ति व पुत्र के दीर्घायु के लिए महिलाएं रहती हैं व्रत

अवधनामा संचाददाता



बलिया। डाला छठ का महापर्व मंगलवार से अंरंभ हो गया है। चार दिवसीय चलने वाले इस महापर्व के पहले दिन महिलाओं ने नहाय खाय के साथ व्रत की शुरूआत की। वही बुधवार को खरना व्रत रखा और शाम को पूरी खारी आदि खाकर पारण किया।

बृहस्पतिवार को निर्जला व्रत रहकर इबते सूर्य की पूजा करने के बाद यातायात व्रत नहीं रही। यातायात व्यवस्था बाधित ना हो इसके लिए नगर में जगह-जगह बैरियर लगाए गए थे और यातायात पुलिस मुर्शिद रही। वही सुरक्षा के महेनजर पुलिस मुर्शिद रही और चक्रवाही की लेकर नगर न से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक घरों में साफ-सफाई जारी है।

बुधवार को नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में लोगों ने फल, नारियल, सुपुत्री, दूरी, गत्रा आदि की खरीदारी की। आलम यह रहा कि चौक क्षेत्र में भीड़ की कारण पैर रखने तक

■ पूजन, फल-फूल व अन्य सामग्री के लिए उमड़ी भीड़

दिन यारी खरना मनाया जा रहा है। महिलाएं दिन भर निर्जला व्रत रहीं और शाम को गुड़ निर्मित खीर, रोटी व फल से पारण किया। खरना का अर्थ होता है कि अस्त्राचलगामी सूर्य के अर्थ्य दैंपती। इसके बाद सामग्री तिथि को उत्तरीमान सूर्य के अर्थ्य देकर परिवार के पुत्र के दीर्घायु व सूखे सुमुद्रि की कामना करते हुए पारण करेंगी। छठ की तैयारी के लिए घरों में महिलाओं ने गढ़ धोना शुरू कर दिया है।

बुधवार को नगर में नारियल, अनायास, नारेब, नीबू, सुपुत्री, दूरी, गत्रा, संवेद, केला संतान आदि की खरीदारी के लिए नगर में भीड़ उड़ी है। छठ का पर्व मंगलवार से नहाय खाय के साथ शुरू हो चुका है। बुधवार को छठ का दूर्योग

की जगह नहीं रही। यातायात व्यवस्था बाधित ना हो इसके लिए नगर में जगह-जगह बैरियर लगाए गए थे और यातायात पुलिस मुर्शिद रही। वही सुरक्षा के महेनजर पुलिस मुर्शिद रही और शाम को अस्त्राचलगामी सूर्य के अर्थ्य दैंपती। इसके बाद सामग्री तिथि को उत्तरीमान सूर्य के अर्थ्य देकर परिवार के पुत्र के दीर्घायु व सूखे सुमुद्रि की कामना करते हुए पारण करेंगी। छठ की तैयारी के लिए घरों में महिलाओं ने गढ़ धोना शुरू कर दिया है।

बुधवार को नगर में नारियल,

अनायास, नारेब, नीबू, सुपुत्री, दूरी,

गत्रा, संवेद, केला संतान आदि की

खरीदारी के लिए नगर में भीड़ उड़ी है। इसकी शिकायतें बीजलीना पड़ रही हैं। बुधवार को नगर में सुधार नहीं हो पाया जाता है। कुछ दैंपती की बोगियों में तो लोग शैवालय के आसपास भी फर्श भी बैठे दिख रहे हैं।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

अप्रूव भीड़ की बात की जाए तो

ज्यादात दैंपती के अरकित कोचों में

प्रतीक्षा सूखी वाले यात्रियों की ही कब्जा जाएगा है।

स्टीली पर बैगियों में आस्कण

करने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या

भी जलना पड़ रही है।

इसकी शिकायतें

द्वारा साफ-सफाई तथा बाई

गई और सामिटेंस द्वारा दिया गया है।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए

भी लोग सीटों की अरकित करने के

प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं

हो रही है।

मोबाइल टॉयलेट फांक रहा धूल मथौली की सड़कों पर हो रही गंदगी

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। नार पंचायत मथौली में एक वर्ष से मोबाइल टॉयलेट धूल फांक रहा है, लेकिन जिम्मेदार अनजान बने रहे हैं। लाखों रुपए से खरीदी गई मोबाइल टॉयलेट सिरिया धूस पर लायरिस हालत में पड़ा है। जिम्मेदार के विभिन्न वार्डों में सड़कों पर गंदगी पटी पड़ी है। ताज़ुब इस बात के लिए है कि उक्त मोबाइल टॉयलेट वैन पर पूर्ण में तैनात रही है औ सीमा राय का नाम भी हाथाया नहीं गया है। बता दें कि अज छठ पर्व है, पोर्चे व छठ घाट पर महिलाओं आगे व अन्य लोगों की भारी भौंड लगती है।

नगर को स्वच्छ रखने व आमजनों की सुविधा के लिए नार पंचायत मथौली द्वारा लाभगम 10 लाख रुपए से मोबाइल टॉयलेट वैन खरीदा है, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण एक वर्ष से वार्ड नंबर 6 महारोगा प्रतीप नगर



○ लावरिया हालत में वार्ड नं. 6 सिरिया धूस पर पड़ा है मोबाइल टॉयलेट वैन

सिरिया धूस सिंहेश्वरी देवी स्थान के पीछे लावरिया हालत में पड़ा है। रख रखाव व प्रयोग में लोगों के कारण उक्त मोबाइल टॉयलेट पर मिट्टी व धूल जम गई है और अगल बगल बढ़ बड़े घास उग आए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत के द्वारा सुविधा के नाम

पर लाखों रुपये का सामान खरीदा जा रहा है, लेकिन देवेझरा के अभाव व इसमाल में न लाने के कारण इसका लापता हो रहा है। नार पंचायत का काम केवल सामग्री की खरीदारी कर उससे मुफाना कमाना भार रह गया है। उत्तर कुक्कों के मुख्य चौरांसे समेत हमें में तीन दिन शुक्रवार, रविवार व मंगलवार को बाजार लगता है, जहां दूर दरार से लोग आते जाते हैं लेकिन नगर में कहीं सार्वजनिक शौचालय न होने से

काफी परेशानी ढेलनी पड़ती है, सभसे ज्यादा दिक्कत महिलाओं को होती है। मोबाइल टॉयलेट तो है लेकिन लावरिया हालत में धूल फांक रहा है। नगर मंगलवार को इस मानव मल से पर्याप्त नहाय खाय के साथ बतायों ने शुरू कर दी है। छठ पूजन के लिए घाट सजाए जा रहे हैं। बाजारों में जमकर खरीदारी हो रही है। बाला सुरी नींबू नारियल गन्ना मूली केलों के घोंडे से बाजार रास-विरासा हो रहा है। लोग चाँदी माता और भगवान शुभनारायण को प्रसन्न करने की तैयारी में जु़ूर है। यह लोहारा पूरे परिवार के साथ धूमधार से मनाया जाता है इसलिए जो लोग नौकरी या व्यापार के सिस्टमिन में घर से दूर रहे हैं वे अब छठ पूजा में घर जा रहे हैं। कार्तिक शुक्रवार पूर्णी तक चलने वाले स्वप्न को छठ पूजा डाला छठ आम कई नामों से जाना जाता है।

सुशील निगम ने कहा कि बथुआ फट गया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि छठे लाल निगम ने इस घटनाक्रम पर कहा कि दोनों सभासदों के बीच झगड़ा हुआ था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया, तो अजय जायसवाल और उनके समर्थक मराठी पर उत्तर दी गई। इस घटना में सुशील निगम का कपड़ा भी

अवधनामा संवाददाता

लावरिया हालत में वार्ड नं. 6 सिरिया धूस पर पड़ा है मोबाइल टॉयलेट वैन

प्राचार्य, प्रो. शीला श्रीवास्तव बनी एडिशनल डीन

लालगंज रायबरेली। बैसवारा डिग्गी कॉलेज की प्राचार्य, प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एडिशनल डीन कॉलेज डेवलपमेंट कार्डिनल नियुक्त किया गया है। रायबरेली जिसे से प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव की नियुक्त क्लूपली, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के अनुमोदन के उपरांत किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक लाल देवेज बहादुर सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ रमेश चंद्र दावत ने बताया की बैसवारा कॉलेज से पहली बार किसी प्राचार्य को लिया गया। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह ने कहा कि इससे महाविद्यालय के अकादमिक उद्ययन और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में सभसे पहले दीपावली तथा छठ पर्व विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए ध्वनान सूर्यों को अंधे देती ब्रह्मी का वित्र बनाया स्वरूप किया। तत्परता एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। श्री सिंह

